अलंकार प्रथम वर्ष

(क्रियात्मक)

पूर्णांक:300,

(क्रियात्मक:200+**मंच प्रदर्शन**:100)

न्यूनतम:155

(तबले के विद्यार्थी के लिए)

1) त्रिताल : अ) घरानेदार पेशकार का प्रस्तुतिकरण|

ब) त्रिस्र तथा मिस्र जाति का एक एक कायदा तथा न्यूनतम छह पलटों सहित

क) तिस्र जाति का एक रेला न्यूनतम छह पल्टों सहित

ड) धिरधिर धिर, दिनगिन अथवा तकतिर कीटतक शब्द युक्त रेलों का प्रस्तुतिकरण

ई) चलन बजाकर उसकी 'रौ' का प्रस्तुत करना|

स) न्यूनतम चार(विभिन्न प्रकार की) गतों का वादन|

ह) विभिन्न मात्रा से प्रारंभ होने वाली तिहाईयों का अभ्यास

2) अन्य ताल:

निम्नलिखित तालों मे से किसी एक ताल में परीक्षक के निर्देशानुसार न्यूनतम दस मिनिट का स्वतंत्र वादन प्रस्तुत करने की क्षमता:

1) आडाचौताल 2) पंचम सवारी 3) रूद्र (11 मात्रा)

3) त्रिताल, एकताल तथा रूपक तालों के ठेके, विलंबित लय में ठेका भरी के साथ बजाने की क्षमता तथा मुखडे बजाकर सम पर आना| (बडे मुह(6 से 7 इंच तक) के तबले पर बजाने का अभ्यास आवश्यक|)

4) दादरा, केहरवा तथा चाचर तालों में कलापूर्ण लग्गियों का वादन|

5) (अ) स्वर पहचानना; (ब) तबला स्वर में मिलाना

6) वादन में स्वरमयता तथा विभिन्न लयकारी

मंच प्रदर्शन:

त्रिताल न्यूनतम ३० मिनिट संपूर्ण स्वतंत्र वादन|

रूपक, झपताल एकताल तथा जयताल में से किसी एक ताल में पेशकार, कायदे, रेले, गत टुकडे तथा चक्रदार सहित २० मिनिट स्वतंत्र वादन|